Gillette Mind — पचास ईबुक्स के भीतर

यह हमेशा जैसी पोस्ट नहीं है, वह हमेशा जैसा संदेश नहीं जिसे दुनिया भर में भेजने की ज़रूरत महसूस होती है। यह उन पलों में से एक है जो किसी इंसान के जीवन में अमिट छाप छोड़ जाते हैं।

जब मैंने लिखना शुरू किया, मेरी उम्र सिर्फ़ 3 साल थी। मैं तब भी क्लम या पेंसिल काबू में नहीं रख पाता था, पर जो पहली चीज़ मैं बना सका वह एक त्रिभुज था।

मेरे पिता हैरान रह गए। मेरी माँ ने इसे संयोग बताया — उसने मुझसे फिर कोशिश करने को कहा, और वह हर बार छोटा निकलता रहा, पर हमेशा एक त्रिभुज।

बड़े होते-होते, किसी ने मुझे कभी नहीं समझाया कि उसका क्या मतलब है। जब तक एक दिन, एक कैथोलिक बोर्डिंग स्कूल में, मुझे समझ आया कि उसके भीतर एक प्रार्थना रहती है: पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर।

वह — और है — पूर्णता। दो या अधिक त्रिभुजों का जोड़ एक वर्ग बनाता है, और यह विचार कि वर्ग सबसे परिपूर्ण ज्यामितीय आकृति है, एक ही पल में बिना किसी संदेह के ढह गया।

और, Gillette में इतने वर्षों के बाद, किसी भी बैठक में किसी ने कभी नहीं कहा: चलो समस्या को वर्गित (square) करें। इसके बजाय जो सुनाई देता — और सही सुनाई देता — वह था: चलो स्थिति को त्रिकोणित करें, कमज़ोर क्षेत्रों, मज़बूत क्षेत्रों और उन क्षेत्रों की पहचान करें जिन्हें सुधारना उचित है।

आज मेरा त्रिभुज Gillette गाथा का समापन है। किसी लक्ष्य के रूप में नहीं, किसी योजना के रूप में नहीं — बल्कि लेखन की सहज-वृत्ति के रूप में और गहरे आदर के एक अनोखे कर्म के रूप में।

आगे पढ़ने वाले सभी लोगों से: थोड़ा-थोड़ा करके। कभी एक साथ सब कुछ नहीं। वरना दिमाग़ ठीक से छान नहीं पाता।

यात्रा शुभ हो।

कोई बात नहीं।

नान्दो

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com